समाचार पत्रिका

अंक – 26, वर्ष – 2025 (जुलाई-सितम्बर)

राष्ट्रीय पादप जीनोम अनुसंधान संस्थान

(बायोटेक्नोलॉजी विभाग, भारत सरकार)

समाचार पत्रिका के इस अंक में -

- कार्यक्रम / आयोजन / विशेष चर्चाएँ
- पीएच.डी. डिग्री अवार्ड
- सम्मान / पुरस्कार / उपलब्धियां
- साइंस कम्युनिकेशन्स एंड आउटरीच

संपर्क करें:
श्री रत्नेश्वर ठाकुर (वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी, विज्ञान संचार)
मैनेजिंग एडिटर, समाचार पत्रिका (हिंदी),
ई-मेल : social@nipgr.ac.in,
टेलीफ़ोन नं. : 011-26735251 (एक्सटेंशन: 251)

@NIPGR
@NIPGRsocial
www.nipgr.ac.in

समाचार पत्रिका

कार्यक्रम / आयोजन / विशेष चर्चाएँ

स्वतंत्रता दिवस 2025 का आयोजन :

ब्रिक-एनआईपीजीआर में 79वें स्वतंत्रता दिवस 2025 के अवसर पर उत्साह और देशभक्ति के साथ ध्वजारोहण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

ब्रिक-एनआईपीजीआर में "वैज्ञानिक मैन्युस्क्रिप्ट लेखन" पर कार्यशाला :

ब्रिक-एनआईपीजीआर ने 9-10 जुलाई को "वैज्ञानिक मैन्युस्क्रिप्ट लेखन" पर कार्यशाला का आयोजन किया, जिसका नेतृत्व डॉ. सुनेना सिंह ने किया। इस कार्यशाला में पीएचडी छात्रों को वैज्ञानिक लेखन का प्रशिक्षण दिया गया।

NCS-TCP - ब्रिक-एनआईपीजीआर द्वारा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन:

ब्रिक-एनआईपीजीआर ने आनंद एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी, आनंद के साथ मिलकर आनंद में DBT–नेशनल सर्टिफिकेशन सिस्टम फॉर टिशू कल्चर रेज्ड प्लांट्स (NCS-TCP) पर एक जागरूकता कार्यक्रम का सफल आयोजन किया। कार्यक्रम में 170 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। इनमें 15 से ज्यादा टिशू कल्चर कंपनियों के प्रतिनिधि, किसान, बायोटेक्नोलॉजी विभाग (भारत सरकार) और गुजरात हॉर्टिकल्चर विभाग के अधिकारी, साथ ही वैज्ञानिक, शिक्षाविद और छात्र शामिल थे।

कार्यक्रम / आयोजन / विशेष चर्चाएँ

प्रौद्योगिकी हस्तांतरण एवं व्यावसायीकरण (11 सितंबर 2025): ब्रिक–एनआईपीजीआर ने फलों एवं सब्जियों की शेल्फ लाइफ बढ़ाने वाले एक नवोन्मेषी डिवाइस की प्रौद्योगिकी को व्यावसायीकरण हेतु **फ्रूवेटेक (M/s Fruvetech)** को हस्तांतरित किया। यह तकनीक कटाई उपरांत होने वाले नुकसान को कम करने तथा उत्पादों की गुणवत्ता बनाए रखने में सहायक होगी।

SciEfflux 2025 : ब्रिक–एनआईपीजीआर ने 11–12 सितंबर 2025 को पीएच.डी. छात्रों की अनुसंधान प्रगति को रेखांकित करने एवं उसका उत्सव मनाने के उद्देश्य से 17वीं वार्षिक छात्र संगोष्ठी 'SciEfflux 2025' का सफलतापूर्वक आयोजन किया। संगोष्ठी के उपरांत एनआईपीजीआर के छात्रों द्वारा एक रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम 'Rainbow' प्रस्तुत किया गया।

NCS-TCP जागरूकता कार्यक्रम की मीडिया कवरेज: ब्रिक-एनआईपीजीआर ने AAU के साथ मिलकर DBT-NCS-TCP पर जागरूकता प्रोग्राम आयोजित किया, जिसे नेशनल टीवी पर दिखाया गया! प्रोग्राम में टिशू कल्चर से बने, वायरस-फ्री, जेनेटिकली एक जैसे, अच्छी क्वालिटी वाले पौधों के महत्व पर ज़ोर दिया गया। (Link)

स्वच्छता ही सेवा (एसएचएस) 25 सितंबर 2025: ब्रिक–एनआईपीजीआर ने स्वच्छता ही सेवा (एसएचएस) अभियान के अंतर्गत 25 सितंबर 2025 को प्रातः 8.00 बजे से 9.00 बजे तक आयोजित राष्ट्रव्यापी श्रमदान 'एक दिन, एक घंटा, एक साथ' में सक्रिय सहभागिता की। इस अवसर पर संस्थान द्वारा रा.पा.जी.अनु.सं. एवं आईआईएमसी के मध्य स्थित मुख्य सड़क के फुटपाथ क्षेत्र की स्वच्छता सुनिश्चित की गई।

कार्यक्रम / आयोजन / विशेष चर्चाएँ

हिंदी कार्यशाला एवं संगोष्ठी

संस्थान की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक –

संस्थान की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 49वीं तिमाही बैठक का आयोजन दिनांक सितंबर 08, 2025 को किया गया। निदेशक, एनआईपीजीआर की अध्यक्षता में संस्थान में हिंदी भाषा के प्रयोग को बढ़ावा देने के संबंध में चर्चा की गई।

हिंदी कार्यशाला

संस्थान में, सितंबर 10, 2025 को डॉ. ओम प्रकाश साह, कनिष्ठ हिंदी अनुवादक, रा.पा.जी.अनु.सं. द्वारा 'हिंदी टंकण,अनुवाद एवं प्रशासनिक शब्दावली' विषय पर हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। संस्थान के स्टाफ सदस्यों ने उत्साहपूर्वक उक्त कार्यशाला में भाग लिया ।

आमंत्रित व्याख्यान

23 सितंबर, 2025: संस्थान में श्री अंकुर विजयवर्गीय, सहायक निदेशक (राजभाषा), IIMC, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार ने "दस्तावेजों से दफ्तरों तक : राजभाषा हिंदी की भूमिका" विषय पर व्याख्यान दिया। कार्यक्रम का आरंभ निदेशक, ब्रिक-एनआईपीजीआर ने सचिव, डीबीटी, भारत का संदेश पढ़ कर किया।

संस्थान में हिंदी पखवाड़ा का आयोजन:

- संस्थान में सितम्बर 14-29, 2025 के दौरान हिंदी पखवाड़ा का आयोजन किया गया । इस संबंध में परिपत्र द्वारा सभी कर्मचारी सदस्यों, छात्रों एवं शोधकर्ताओं को एकजुट होकर सभी संस्थागत कार्यों में राजभाषा हिंदी का प्रयोग एवं विकास सुनिश्चित करने हेतु प्रोत्साहित किया गया।
- हिंदी पखवाड़ा के दौरान संस्थान में सितंबर 24-26, 2025 के दौरान हिंदी काव्य पाठ, हिंदी निबंध, हिंदी सुलेख, एवं हिंदी श्रुतलेख प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

पीएच. डी. डिग्री अवार्ड

1. संस्थान की पीएच.डी. छात्र श्री मोहन वर्गीज़ को "मॉलिक्यूलर ऐंड फ़ंक्शनल कैरेक्टराइज़ेशन ऑफ़ की एलोस्टेरिक एंज़ाइम्स इन्वॉल्व्ड इन ब्रान्च्ड चेन अमीनो एसिड (बीसीएए) बायोसिन्थेसिस इन प्लांट्स" नामक उनके शोध कार्य के लिए पीएच.डी. डिग्री से 9 जुलाई 2025 को सम्मानित किया गया। उन्होंने यह शोध कार्य डॉ. नवीन चन्द्र बिष्ट (वैज्ञानिक) के मार्गदर्शन में पूरा किया है।

2. संस्थान की पीएच.डी. छात्रा सुश्री श्रुति मिश्रा को "आइडेंटिफिकेशन ऑफ़ नोवेल जीन(ज़) इन्वॉल्व्ड इन कैल्शियम मेडिएटेड जैस्मोनेट परसेप्शन यूज़िंग फ़ॉरवर्ड जेनेटिक स्क्रीन इन अरेबिडॉप्सिस थलियाना" नामक उनके शोध कार्य के लिए पीएच.डी. डिग्री से 22 अगस्त 2025 को सम्मानित किया गया। उन्होंने यह शोध कार्य डॉ. ज्योतिलक्ष्मी वडस्सेरी (वैज्ञानिक) के मार्गदर्शन में पूरा किया है।

3. संस्थान की पीएच.डी. छात्रा सुश्री रेखा को "द रोल ऑफ़ नाइट्रोजन न्यूट्रिशन ऐंड नाइट्रिक ऑक्साइड होमियोस्टेसिस इन प्लांट रेज़िस्टेंस अगेंस्ट बोट्राइटिस सिनेरिया" नामक उनके शोध कार्य के लिए पीएच.डी. डिग्री से 28 अगस्त 2025 को सम्मानित किया गया। उन्होंने यह शोध कार्य डॉ. जगदीश गुप्ता कपुगंती (वैज्ञानिक) के मार्गदर्शन में पूरा किया है।

4. संस्थान की पीएच.डी. छात्रा सुश्री सर्वेश जोंवाल को "इन्वेस्टिगेशन ऑफ़ द रोल ऑफ़ माइटोजेन एक्टिवेटेड प्रोटीन काइनेज़ कैस्केड इन रेग्युलेटिंग फ़ोटोसिंथेसिस इन राइस" नामक उनके शोध कार्य के लिए पीएच.डी. डिग्री से 19 सितंबर 2025 को सम्मानित किया गया। उन्होंने यह शोध कार्य डॉ. आलोक कृष्ण सिन्हा (वैज्ञानिक) के मार्गदर्शन में पूरा किया है।

5. संस्थान की पीएच.डी. छात्रा सुश्री ज्योति मौर्या को "आइडेंटिफिकेशन ऐंड कैरेक्टराइज़ेशन ऑफ़ नाइट्रोजन स्ट्रेस रिस्पॉन्सिव फ़ॉक्सटेल मिलेट [सेटारिया इटैलिका (एल.) पी. बोव.] जीन(ज़) ऐंड अंडरलाइनिंग रेग्युलेटरी कम्पोनेंट(स)" नामक उनके शोध कार्य के लिए पीएच.डी. डिग्री से 25 सितंबर 2025 को सम्मानित किया गया। उन्होंने यह शोध कार्य डॉ. स्वरूप के. परिदा (वैज्ञानिक) के मार्गदर्शन में पूरा किया है।

6. संस्थान की पीएच.डी. छात्रा सुश्री ज्योति मौर्या को "आइडेंटिफिकेशन ऐंड कैरेक्टराइज़ेशन ऑफ़ नाइट्रोजन स्ट्रेस रिस्पॉन्सिव फ़ॉक्सटेल मिलेट [सेटारिया इटैलिका (एल.) पी. बोव.] जीन(ज़) ऐंड अंडरलाइनिंग रेग्युलेटरी कम्पोनेंट(स)" नामक उनके शोध कार्य के लिए पीएच.डी. डिग्री से 25 सितंबर 2025 को सम्मानित किया गया। उन्होंने यह शोध कार्य डॉ. स्वरूप के. परिदा (वैज्ञानिक) के मार्गदर्शन में पूरा किया है।

पीएच. डी. डिग्री अवार्ड

7. संस्थान की पीएच.डी. छात्र श्री राकेश कुमार आचार्य को "स्टडीज़ ऑन द इंटरैक्शन ऑफ़ प्रोटीन एल-आइसोएस्पार्टाइल मेथाइलट्रांस्फ़रेज़ (PIMTs) ऐंड हीट शॉक फ़ैक्टर्स (HSFs) ऐंड देयर इम्प्लिकेशंस इन सीड लॉन्जेविटी इन राइस" नामक उनके शोध कार्य के लिए पीएच.डी. डिग्री से 26 सितंबर 2025 को सम्मानित किया गया। उन्होंने यह शोध कार्य डॉ. मनोज मजी (वैज्ञानिक) के मार्गदर्शन में पूरा किया है।

8. संस्थान की पीएच.डी. छात्र श्री जितेन्द्र कुमार मोहंती को "डिसेक्टिंग द कॉम्प्लेक्स जेनेटिक आर्किटेक्चर ऑफ़ एबायोटिक स्ट्रेस टॉलरेंस इन चिकपी" नामक उनके शोध कार्य के लिए पीएच.डी. डिग्री से 29 सितंबर 2025 को सम्मानित किया गया। उन्होंने यह शोध कार्य डॉ. स्वरूप के. परिदा (वैज्ञानिक) के मार्गदर्शन में पूरा किया है।

सम्मान / पुरस्कार / उपलब्धियां

डॉ. आलोक कृष्ण सिन्हा (वैज्ञानिक, ब्रिक–एनआईपीजीआर) को पादप विज्ञान अनुसंधान के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए नेशनल एकेडमी ऑफ़ साइंसेज़, इंडिया (NASI) द्वारा वर्ष 2025 के प्रतिष्ठित प्रो. सालिग्राम सिन्हा मेमोरियल लेक्चर हेतु चयनित किया गया है।

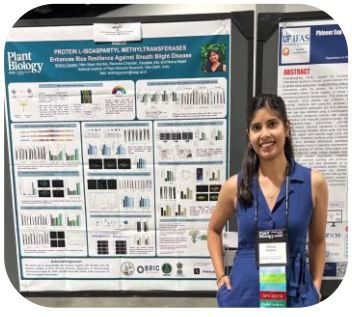

पीएच.डी. छात्रा सुश्री शिखा गौतम (डॉ. मनोज मजी प्रयोगशाला) ने मिलवॉकी, अमेरिका में आयोजित ASPB प्लांट बायोलॉजी 2025 सम्मेलन में पोस्टर प्रस्तुति दी, जहाँ उन्होंने 3MT थीसिस प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया तथा प्लांट–माइक्रोब इंटरेक्शन्स सत्र की अध्यक्षता भी की।

आमंत्रित व्याख्यान

- **15 सितंबर 2025:** संस्थान में आयोजित विशेष व्याख्यान में डॉ. जवाहर सिंह (पोस्टडॉक्टोरल रिसर्च एसोसिएट, सेन्सबरी प्रयोगशाला, कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय, यूके) ने *पोषक तत्व संकेतों के विश्लेषण तथा सतत कृषि के लिए दलहन सहजीवन के अभिनिर्माण* विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

साइंस कम्युनिकेशन्स एंड आउटरीच

BioE3 नीति का उत्सव: जलवायु-अनुकूल कृषि और हरित ऊर्जा की तकनीकें (04 सितंबर, 2025): : आईसीजीईबी, नई दिल्ली द्वारा आयोजित कार्यक्रम "सेलिब्रेटिंग **BioE3** पॉलिसी: टेक्नोलॉजीज़ इन क्लाइमेट-रिज़िलिएंट एग्रीकल्चर एंड ग्रीन एनर्जी" में डॉ. देबाशीष चट्टोपाध्याय, निदेशक, ब्रिक-एनआईपीजीआर ने व्याख्यान दिया।संबोधन में उन्होंने BioE3 नीति के अंतर्गत विकसित नवोन्मेषी प्रौद्योगिकियों की भूमिका तथा जलवायु-अनुकूल कृषि और हरित ऊर्जा के क्षेत्र में उनके महत्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर एनआईपीजीआर ने विज्ञान प्रदर्शनी स्टॉल के माध्यम से अपने शोध कार्यों का प्रदर्शन किया।

पीएच.डी. छात्रों का ओरिएंटेशन सत्र (04 सितंबर, 2025): 2025–26 शैक्षणिक वर्ष में प्रवेश लेने वाले पीएच.डी. छात्रों के लिए आयोजित ओरिएंटेशन कार्यक्रम के अंतर्गत एक विशेष सत्र का आयोजन किया गया। इस सत्र में श्री रत्नेश्वर ठाकुर (वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी, विज्ञान संचार) ने **"अपने संस्थान को जानना (Knowing Your Institute)"** विषय पर प्रस्तुति देते हुए संस्थान के विभिन्न अनुभागों, अनुसंधान सुविधाओं एवं सहायक सेवाओं से छात्रों को परिचित कराया, जो नए शोधार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध हुआ।

साइंस कम्युनिकेशन्स एंड आउटरीच

MGM कॉलेज ऑफ़ एग्रीकल्चरल बायोटेक्नोलॉजी, औरंगाबाद के छात्रों का एनआईपीजीआर अध्ययन दौरा: 15 जुलाई 2025 को MGM कॉलेज ऑफ़ एग्रीकल्चरल बायोटेक्नोलॉजी, औरंगाबाद के बीटेक बायोटेक्नोलॉजी पाठ्यक्रम के 45 विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों के लिए एक शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन किया गया। इस अवसर पर डॉ. एस. प्रभाकरन (वैज्ञानिक, एनआईपीजीआर) ने "ब्रैसिका: ए मॉडल प्लांट फॉर पॉलीप्लॉइडाइज़ेशन, इवोल्यूशनरी स्टडीज़ एंड इट्स इंपॉर्टेंस" विषय पर महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। श्री रत्नेश्वर ठाकुर (वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी, विज्ञान संचार) ने संस्थान का संक्षिप्त परिचय प्रस्तुत किया तथा आगंतुकों को अनुसंधान सुविधाओं से अवगत कराते हुए मार्गदर्शन प्रदान किया।

जेनेसिस ग्लोबल स्कूल, नोएडा के छात्रों का एनआईपीजीआर अध्ययन दौरा:

28 जुलाई 2025 को संस्थान ने जेनेसिस ग्लोबल स्कूल, नोएडा के छात्रों को एक शैक्षणिक दौरे के लिए स्वागत किया । डॉ. स्वरूप के. परिदा (वैज्ञानिक, एनआईपीजीआर) ने छात्रों के साथ ज्ञानवर्धक संवाद किया। छात्रों ने अनुसंधान सुविधाओं का भी दौरा किया।

समाचार पत्रिका

साइंस कम्युनिकेशन्स एंड आउटरीच

सेंट मैरी स्कूल, नई दिल्ली के छात्रों का एनआईपीजीआर अध्ययन दौरा:

25–26 अगस्त 2025 को सेंट मैरी स्कूल, नई दिल्ली के छात्रों एवं शिक्षकों का संस्थान में अध्ययन भ्रमण आयोजित किया गया। इस दौरान डॉ. देबाशीष चट्टोपाध्याय, निदेशक, ब्रिक-एनआईपीजीआर तथा डॉ. गीतांजलि यादव (वैज्ञानिक, ब्रिक-एनआईपीजीआर) ने विद्यार्थियों से संवाद किया। कार्यक्रम में व्याख्यान, मृदा अनुसंधान पर लाइव प्रदर्शन तथा अनुसंधान सुविधाओं का अवलोकन शामिल रहा। इस अध्ययन भ्रमण का समन्वय श्री रत्नेश्वर ठाकुर द्वारा किया गया, जिन्होंने संस्थान का संक्षिप्त परिचय भी प्रस्तुत किया।

देशबंधु कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्रों का एनआईपीजीआर शैक्षिक दौरा:

30 सितंबर 2025 को संस्थान ने एक शैक्षिक दौरे के लिए देशबंधु कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्रों की मेजबानी की! डॉ. अमरजीत सिंह (वैज्ञानिक, ब्रिक-एनआईपीजीआर) ने विज्ञान में जिज्ञासा पैदा करने के लिए एक ज्ञानवर्धक व्याख्यान दिया। श्री रत्नेश्वर ठाकुर ने जीव विज्ञान में हमारे कार्यक्रमों, सुविधाओं और करियर की संभावनाओं पर प्रकाश डाला। आगंतुकों को अनुसंधान सुविधाओं का एक निर्देशित दौरा भी प्रदान किया गया।